परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद, मुंबई

ई - वृत्तपत्र

जनवरी- मार्च 2025 खंड - 36 / अंक - 1

इस अंक में

अध्यक्ष की कलम से 02

1. एईआरबी की बोर्ड बैठक 04
2. केएपीएस परिसर के पास जागरूकता कार्यक्रम पी.टी. विज्ञान महाविद्यालय, सूरत 04
3. एकीकृत प्रबंधन प्रणाली 05
4. नियामक दस्तावेज 05
5. नियामक निरीक्षण 06
6. निरीक्षण निर्धारण प्रणाली 06
7. 76वां गणतंत्र दिवस समारोह 07
8. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह 08
9. अध्यक्ष, एईआरबी ने 35वें आईएआरपी राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया 08
10. विनिर्माण प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में हालिया प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन 09
11. अध्यक्ष, एईआरबी ने एलएंडटी, एएमएनएचईसी, हजीरा में राष्ट्रीय संरक्षा दिवस समारोह में भाग लिया 10
12. पद्म विभूषण, स्वर्गीय डॉ. राजगोपाल चिदंबरम को श्रद्धांजलि 10
13. हिंदी कार्यक्रम और गतिविधियाँ 11
14. नियुक्तियाँ / सेवानिवृत्ति 11

अध्यक्ष महोदय की कलम से

मुझे आपके साथ यह साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हमने अपने कर्मचारियों की पूर्ण भागीदारी से संशोधित एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस), जो एईआरबी के कामकाज की कार्य प्रणाली को नियंत्रित करनेवाला एक दस्तावेज है, का पुन: प्रारुप तैयार किया हैं, तथा एईआरबी के बोर्ड के अनुमोदन के बाद, आईएमएस को फरवरी 14, 202५ को अपना कर इसे उपयोग में लाया गया है।

प्रिय पाठकों,

सभी को नमस्कार!

मुझे एईआरबी न्यूज़लैटर के इस संस्करण के माध्यम से आपको संबोधित करते हुए खुशी हो रही है पर हम कैलेंडर वर्ष 2025 की पहली तिमाही का समापन कर रहे हैं। इस अवधि में नियामक निरीक्षण को मजबूत करने, संरक्षा संस्कृति को बढाने और हमारे परिचालन ढांचे को आधुनिक बनाने के हमारे चल रहे प्रयासों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

इस वर्ष अपने नए साल के संदेश में, मैंने पहले ही संकेत दिया था कि यह वर्ष एईआरबी में 'कार्रवाई' का वर्ष होना चाहिए। मैंने 26 जनवरी, 2025 को 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के लिए अपने संबोधन में इस पर विस्तार से चर्चा की।

तिमाही के दौरान, एईआरबी ने देश में सभी नाभिकीय एवं विकिरण संस्थाओ में उच्चतम संरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए लाइसेंसधारियों और हितधारकों के साथ जुडना जारी रखा है। हितधारकों से नाभिकीय और विकिरण संस्थाओ से फीडबैक प्राप्त किए गए और हमारे नियामक निरीक्षण और सहमति प्रक्रिया में निरंतर सुधार के लिए उनका विश्लेषण किया जा रहा है। कई निरीक्षणों, ऑडिट और संरक्षा समीक्षाओं का सफलतापूर्वक पूरा होना एक पारदर्शी और मजबूत नियामक ढांचे के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमने पुरानी सुविधाओं के लिए संरक्षा आकलन जारी रखा, ताकि समकालीन संरक्षा मानदंडों के साथ उनका निरंतर अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

एईआरबी विभिन्न नाभिकीय और विकिरण संस्थाओ में नियामक निरीक्षण करना जारी रखा है। इसके साइट पर्यवेक्षक रावतभाटा, कलपक्कम, काकरापारा और कुडनकुलम के चार नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र स्थलों पर निरंतर नियामक निरीक्षण कर रहे हैं।

चेन्नई स्थित एईआरबी के दक्षिणी क्षेत्र नियामक केंद्र (एसआरआरसी) ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में दक्षिण भारत में विकिरण सुविधाओं लिए अपने नियामक निरीक्षण कार्यक्रमों को अनुकूलित करने के लिए मशीन लर्निंग (एमएल) एल्गोरिदम का उपयोग करके एक समाधान लागू किया है। इस अभिनव क्लस्टर-आधारित विकिरण सुविधा निरीक्षण निर्धारण कार्यक्रम (सीआरआईएसपी) को विनियामक निरीक्षणों को निर्धारित स्वं-संचालित करने तथा परिचालन दक्षता में सुधार लाने के लिए विकसित किया गया है।

एनपीपी के आसपास के क्षेत्र में सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम के भाग के रूप में, एईआरबी ने 29 जनवरी, 2025 को सूरत में पी.टी. विज्ञान महाविद्यालय के परमाणु भौतिकी के छात्रों के लिए आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम, एक व्याख्यान श्रृंखला शामिल थी, की शुरुआत केएपीएस पब्लिक अवेयरनेस द्वारा की गई। व्याख्यानों में बीएआरसी और एईआरबी की चर्चाए शामिल थी।

एईआरबी में, हमने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को बहुत उत्साह के साथ मनाया, जिसका विषय था "कार्रवाई में तेजी लाना", जो हमारे चुने हुए मार्ग पर और अधिक दृढ. संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान है।

मुझे आपके साथ यह साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हमने अपने कर्मचारियों की पूर्ण भागीदारी से संशोधित एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस), जो एईआरबी के कामकाज की कार्य प्रणाली को नियंत्रित करनेवाला एक दस्तावेज है, का पुन: प्रारुप तैयार किया हैं, तथा एईआरबी के बोर्ड के अनुमोदन के बाद, आईएमएस को फरवरी 14, 2025 को अपना कर इसे उपयोग में लाया गया है।

एईआरबी को व्यावसायिकता, विश्वसनीयता और लचीलेपन का प्रतीक बनना चाहिए, जो सभी के लिए उच्च मानक स्थापित करे। हमारी योग्यता एईआरबी के लिए उच्च मानक स्थापित करे। हमारी योग्यता एईआरबी के नियमन की पहचान है, और हम अपने एईआरबी समीक्षा समूहों के माध्यम से इस आंतरिक योग्यता पर भरोसा करना जारी रखेंगे।

इस तिमाही में, हमने एक प्रख्यात भौतिक विज्ञानी और भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में से एक पद्म विभूषण डॉ. राजगोपाला चिदंबरम को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित किया है, जो परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और भारत सरकार के सचिव, प.ऊ.वि. (1993-2000) थे।

हमेशा की तरह, मैं नाभिकीय और विकिरण क्षेत्र के प्रत्येक हितधारक से सतर्क रहने और संरक्षा को एक मौलिक मूल्य के रूप में बनाए रखने का आग्रह करता हूँ।

आपके निरंतर समर्पण और सहयोग के लिए धन्यवाद। आइए हम उत्कृष्टता, संरक्षा और राष्ट्र की सेवा पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढ़े।

हार्दिक शुभकामनाएं

दिनेश शुक्ला

दिनेश कुमार शुक्ला
अध्यक्ष, एईआरबी

1.0 एईआरबी की बोर्ड बैठक

एईआरबी ने 14 फरवरी, 2025 को रावतभाटा राजस्थान साइट पर बोर्ड बैठक आयोजित की। एईआरबी के अध्यक्ष डॉ. डी. के. शुक्ला ने आरएपीएस-1 से 8 (एनपीसीआईएल), एनएफसी-कोटा और एचडब्ल्यूपी-कोटा के कर्मचारियों को संरक्षा संस्कृति को विकसित करने, बनाए रखने और मजबूत करने के महत्व पर संबोधित किया। श्री बी. सी. पाठक, सीएमडी, एनपीसीआईएल, डॉ. कोमल कपूर, सीई, एनएफसी, एईआरबी के बोर्ड सदस्य और एनपीसीआईएल, एनएफसी और एचडब्ल्यूपी कोटा के वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

एईआरबी के अध्यक्ष रावतभाटा राजस्थान साइट पर संबोधित करते हुए

2.0 केएपीएस परिसर के पास जागरूकता कार्यक्रम पी.टी. विज्ञान महाविद्यालय, सूरत

एनपीपी के आसपास के क्षेत्र में सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, एईआरबी ने 29 जनवरी, 2025 को सूरत में पी.टी.विज्ञान महाविद्यालय के नाभिकीय भौतिकी के छात्रों के लिए आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम की शुरुआत केएपीएस के सार्वजनिक जागरूकता प्रभाग ने व्याख्यान श्रृंखला के साथ की थी। व्याख्यानों में एनपीसीआईएल, बीएआरसी और एईआरबी अधिकारियों की चर्चाए शामिल थी।

एईआरबी पर एक लघु फिल्म दिखाया गया। द्विभाषी (अंग्रेजी और गुजराती) कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें परमाणु भौतिकी के स्नातक छात्र और कॉलेज के शिक्षण संकाय शामिल थे।

3.0 एकीकृत प्रबंधन प्रणाली

एईआरबी की कार्यप्रणाली को एक पूर्ण ढांचे में एकीकृत किया गया है, जिससे यह एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) के रूप में काम करने में सक्षम है। एईआरबी-आईएमएस के पिछले संस्करणों के उपयोग के आधार पर, एईआरबी-आईएमएस को डिजाइन करने और विकसित करने के लिए मौलिक अवधारणाओं की समझ को प्रतिबिंबित करने के लिए एईआरबी-आईएमएस को पुर्नगठित करने की आवश्यकता महसूस की गई थी। संशोधित आईएमएस, कुछ अपडेट और परिवर्धन पेश करते हुए, मुख्य रूप से निरंतरता पर केंद्रित है, जो आश्वासन और आत्मविश्वास की भावना प्रदान करता है। एईआरबी के संशोधित आईएमएस में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के दस्तावेजों के प्रासंगिक इनपुट को ध्यान में रखा गया है। संशोधित आईएमएस, एईआरबी कैसे काम करता है, इस पर शासी दस्तावेज, एईआरबी के सभी कर्मचारियों की पूरी भागीदारी के साथ तैयार किया गया था और एईआरबी के बोर्ड की उचित मंजूरी के साथ, आईएमएस को 14 फरवरी, 2025 को एईआरबी में उपयोग में लाया गया है।

4.0 नियामक दस्तावेज

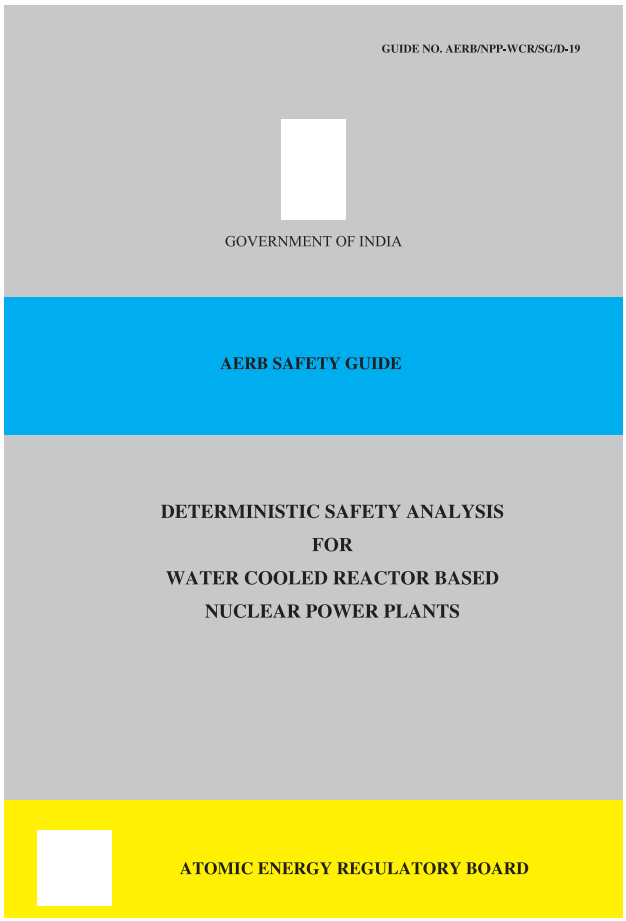

इस तिमाही के दौरान "वाटर कूल्ड रिएक्टर आधारित परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए नियतात्मक संरक्षा विश्लेषण (AERB/NPP-WCR/SG/D-19)" पर संशोधित संरक्षा गाइड प्रकाशित की गई। यह गाइड दबित भारी पानी रिएक्टरों के लिए नियतात्मक संरक्षा विश्लेषण पर संरक्षा गाइड (AERB/NPP-WCR/SG/D-19, 2018) का स्थान लेती है। यह इसके जारी होने के बाद निर्मित वाटर-कूल्ड रिएक्टर-आधारित NPPs (PHWR, PWR और BWR) पर लागू होती है

5.0 नाभिकीय, औद्योगिक और विकिरण सुविधाओं का नियामक निरीक्षण

इस तिमाही के दौरान, एईआरबी ने विभिन्न नाभिकीय और औद्योगिक सुविधाओं में 25 निरीक्षण किए। कोई भी संरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण विचलन नहीं देखा गया। एईआरबी ने विभिन्न औद्योगिक और चिकित्सा विकिरण संस्थाओ में 202 नियामक निरीक्षण किए, जिनमें दो अघोषित प्रतिक्रियाशील और एक घोषित प्रतिक्रियाशील निरीक्षण शामिल हैं। इन निरीक्षणों के दौरान मध्यम संरक्षा महत्व के 18 विचलन देखे गए। रावतभाटा, कलपक्कम, काकरापारा और कुडनकुलम में चार परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थलों पर तैनात एईआरबी साइट पर्यवेक्षकों ने स्टेशनों पर गतिविधियों का निरीक्षण करना जारी रखा और एईआरबी को जानकारी प्रदान की।

6.0 एईआरबी ने एमएल एल्गोरिदम का उपयोग करके निरीक्षण निर्धारण प्रणाली विकसित की

चेन्नई स्थित एईआरबी के दक्षिणी क्षेत्र नियामक केंद्र (एसआरआरसी) ने पायलट परियोजना के रूप में दक्षिण भारत में विकिरण संस्थाओ के लिए अपने नियामक निरीक्षण कार्यक्रमों को अनुकूलित करने के लिए मशीन लर्निंग (एमएल) एल्गोरिदम का उपयोग करके एक समाधान लागू किया है। यह अभिनव क्लस्टर-आधारित विकिरण संस्था निरीक्षण निर्धारण कार्यक्रम (सीआरआईएसपी) नियामक निरीक्षणों के निर्धारण और संचालन के लिए परिचालन दक्षता में सुधार लाने करने तथा लिए विकसित किया गया है।

सीआरआईएसपी पारंपरिक निरीक्षण निर्धारण विधियों से एक महत्वपूर्ण प्रस्थान का प्रतिनिधित्व करता है। यह प्रणाली भौगोलिक निकटता और निरीक्षण प्राथमिकताओं के आधार पर निरीक्षण मार्गों और कार्यक्रमों को अनुकूलित करने के लिए उन्नत एमएल एल्गोरिदम, विशेष रूप से शोर के साथ अनुप्रयोगों के घनत्व-आधारित स्थानिक क्लस्टरिंग (डीबीएससीएएन) का उपयोग करती है।

7.0 76वां गणतंत्र दिवस समारोह

एईआरबी ने 26 जनवरी 2025 को नियामक भवन परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और देशभक्ति गीतों के गायन के साथ 76वां गणतंत्र दिवस मनाया। सभा को संबोधित करते हुए, एईआरबी के अध्यक्ष ने 76वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। पूरा संबोधन एईआरबी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

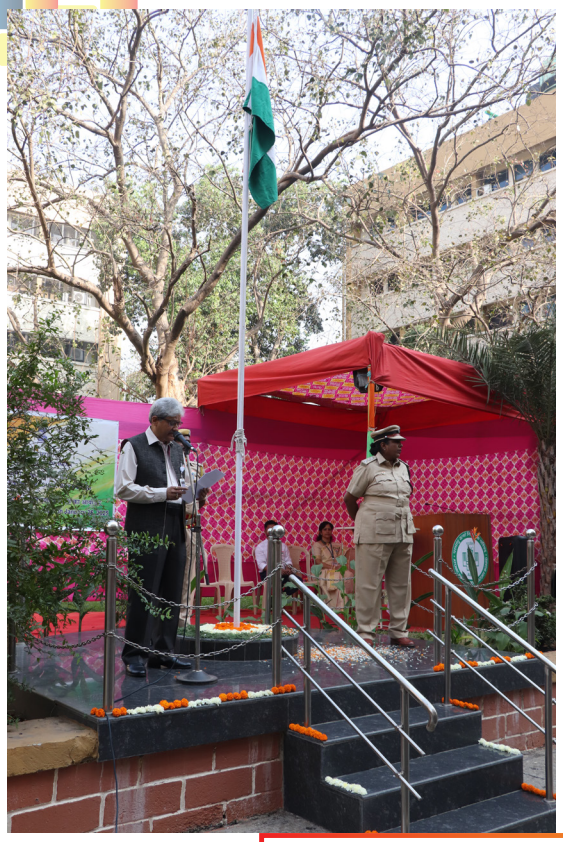

एईआरबी में गणतंत्र दिवस समारोह की झलकियां

8.0 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

एईआरबी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस "कार्रवाई में तेजी" थीम पर मनाया गया, जो चुने हुए मार्ग पर अधिक दृढ. संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान है। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एईआरबी कर्मचारियों के लिए इंडिया फर्स्ट लाइफ, मुंबई की मुख्य निवेश अधिकारी डॉ. पूनम टंडन के नेतृत्व में वित्तीय स्वतंत्रता और वित्तीय साक्षरता पर एक वार्ता सह इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह की झलकियाँ

9.0 अध्यक्ष, एईआरबी ने 35वें आईएआरपी राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएआरपीएनसी-2025) में भाग लिया

डॉ. डी. के. शुक्ला, अध्यक्ष, एईआरबी ने 35वें आईएआरपी राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएआरपीएनसी-2025) के प्रतिष्ठित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। यह कार्यक्रम मैंगलोर विश्वविद्यालय और भारतीय विकिरण संरक्षण संघ (आईएआरपी) द्वारा संयुक्त रूप से 29-31 जनवरी, 2025 तक आयोजित किया गया था।

अध्यक्ष, एईआरबी ने प.ऊ.वि. इकाइयों, शिक्षाविदों, अनुसंधान संस्थानों, रक्षा और उद्योग से प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों से मिलकर बनी प्रतिष्ठित सभा को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर से लगभग 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

35वें आईएआरपी राष्ट्रीय सम्मेलन की झलकियां

35वें आईएआरपी राष्ट्रीय सम्मेलन की झलकियां

10.0 विनिर्माण प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन में हालिया प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन

एईआरबी के अध्यक्ष डॉ. डी. के. शुक्ला 16 जनवरी, 2025 को जादवपुर विश्वविद्यालय के उत्पादन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित 'विनिर्माण प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन में हालिया प्रगति" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र सं रक्षा - डिजाइन, निर्माण और गुणवत्ता की भूमिका पर मुख्य भाषण भी दिया।

'विनिर्माण प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन में हालिया प्रगति'
पर राष्ट्रीय सम्मेलन की झलकियां

11.0 अध्यक्ष, एईआरबी ने एलएंडटी, एएमएनएचईसी, हजीरा में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस-2025समारोह में भाग लिया।

डॉ. डी. के. शुक्ला, अध्यक्ष, एईआरबी ने 4 मार्च, 2025 को एलएंडटी, एएमएनएचईसी, हजीरा में राष्ट्रीय संरक्षा दिवस - 2025 में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान 'संरक्षा संस्कृति का विकास, स्थायित्व और सुदृढीकरण' पर एक व्याख्यान दिया।

एलएंडटी, एएमएनएचईसी, हजीरा में राष्ट्रीय संरक्षा दिवस की झलकियां

12.0 पद्म विभूषण, डॉ. राजगोपाल चिदंबरम को श्रद्धांजलि

पद्म विभूषण डॉ. राजगोपाल चिदंबरम, एक प्रख्यात भौतिक विज्ञानी और भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में से एक, 04 जनवरी, 2025 को स्वर्ग सिधार गए। एईआरबी ने डॉ. राजगोपाल चिदंबरम को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जो परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और भारत सरकार के सचिव, प.ऊ.वि. (1993-2000) थे। नियमक भवन के फ़ोयर में आयोजित एक शोक सभा में, एईआरबी ने देश के लिए डॉ. चिदंबरम के योगदान को बडी श्रद्धा के साथ याद किया।

एईआरबी ने डॉ. राजगोपाला चिदंबरम को श्रद्धांजलि दी

13.0 हिंदी कार्यक्रम और गतिविधियाँ

हिंदी कार्यशाला

सभी कर्मचारियों द्वारा दैनिक कामकाज में राजभाषा को अपनाने को बढावा देने के लिए हिंदी कार्यशाला आयोजित किए गए।

हिंदी प्रशिक्षण

एईआरबी में हिंदी शिक्षण योजना के तहत सभी कर्मचारियों को वांछित हिंदी ज्ञान प्रदान करने के लिए पारंगत, प्रबोध और प्रवीण पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पारंगत, प्रबोध और प्रवीण परीक्षा में बैठने के लिए पाँच व्यक्तियों को नामित किया गया था।

14.0 नियुक्तियाँ / सेवानिवृत्ति / स्थानांतरण

एईआरबी में निम्नलिखित अधिकारियों की नियुक्ति की गई:

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि	टिप्पणियाँ
1.	श्री एस. ए. मेश्राम	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	08-01-2025	जीएसओ से समान पद पर स्थानांतरण
2.	श्री शैलेश कुमार टी. वाघमारे	सहायक लेखा अधिकारी	08-01-2025	BARC से समान पद पर स्थानांतरण
3.	श्री प्रतेन्द्र कुमार	तकनीकी अधिकारी (सी)	10-01-2025	सीधी भर्ती

एईआरबी से सेवानिवृत्त/स्थानांतरित/इस्तीफा देने वाले निम्नलिखित अधिकारी:

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि	टिप्पणियाँ
1.	श्रीमती कविता एस. चोपडे.	एपीओ(जी)	16-01-2025(AN)	पदोन्नति पर BARC में स्थानांतरित
2.	श्री धनेश आर. परमार	एडी(ओएल)	28-03-2025(AN)	एचडब्ल्यूबी सुविधाएं, वडोदरा में स्थानांतरित

संदर्भ सामग्री के लिए महत्वपूर्ण लिंक एक नज़र में

क्र.सं.	शीर्षक/वेबसाइट	लिंक
1.	वेबसाइट	https://www.aerb.gov.in
2.	अध्यक्ष का डेस्क। एईआरबी - परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद	https://www.aerb.gov.in/english/about-us/chairman-s-desk
3.	कोड और गाइड। एईआरबी - परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद	https://www.aerb.gov.in/english/publications/codes-guides
4.	एईआरबी वार्षिक रिपोर्ट	https://www.aerb.gov.in/english/publications/annual-report
5.	न्यूज़लेटर। एईआरबी - परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद	https://www.aerb.gov.in/english/publications/newsletter
6.	फीडबैक। एईआरबी- परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद	https://www.aerb.gov.in/english/feedback
7.	शोध प्रकाशन। एईआरबी - परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद	https://www/english/publications/research-publications
8.	लाइसेंसिंग/सहमति। एईआरबी - परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद	https://www.aerb.gov.in/english/regulatory-process/licencing
9.	विनियामक निरीक्षण। एईआरबी - परमाणु ऊर्जा विनियामक परिषद	https://www.aerb.gov.in/english/regulatory-process/regulatory-inspections
10.	विनियामक प्रवर्तन। एईआरबी - परमाणु ऊर्जा विनियामक	https://www.aerb.gov.in/english/regulatory-process/enforcement
11.	सुरक्षा समीक्षा और मूल्यांकन। एईआरबी परमाणु ऊर्जा विनियामक परिषद	https://www.aerb.gov.in/english regulatory-process/safety-review-assessment

प्रतिपुष्टि

हम पाठकों और हितधारकों से फीडबैक की सराहना करते हैं। यदि आपके पास कोई प्रश्न या टिप्पणी है, तो कृपया उन्हें AERB फीडबैक पोर्टल पर हमें भेजें। AERB न्यूज़लैटर में प्रकाशित सामग्री को उचित आभार के साथ स्वतंत्र रूप से पुनर्मुद्रित या अनुवादित किया जा सकता है।

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद

नियमक भवन, अणुशक्तिनगर,

मुंबई-400094, महाराष्ट्र

प्रकाशनकर्ता

श्री ए.पी.गर्ग

निदेशक,

संसाधन प्रशासन और बाह्य संबंध निदेशालय, एईआरबी,

मुंबई द्वारा प्रकाशित